सांध्य दैनिक

# 4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in  www.facebook.com/4pmnewsnetwork  @Editor_SanjayS  YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 252 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 19 अक्टूबर, 2024

सिर्फ तर्क करने वाला दिमाग एक ऐसे चाकू की तरह है जिसमें सिर्फ ब्लेड है। यह इसका प्रयोग करने वाले के हाथ से खून निकाल देता है।

–रवीन्द्रनाथ टैगोर


पंत-सरफराज की शतकीय पारी से भारत... 7 | उत्तर प्रदेश में फिर दिखेगी अखिलेश... 3 | महाराष्ट्र और झारखंड में भाजपा... 2


# खोखे और धोखे के दम पर बनी है महाराष्ट्र सरकार : अखिलेश

## सवाल सीट की संख्या का नहीं है सवाल जीत का है

» महाराष्ट्र में सावधान से ऊपर उठकर महासावधान रहने की जरूरत : सपा प्रमुख

» अखिलेश ने कांग्रेस को दी बड़ी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इन दिनों महाराष्ट्र दौरे पर हैं। अखिलेश यादव ने महाराष्ट्र पहुंच कर अपने चुनाव अभियान की शुरुआत कर दी है। इसी दौरान अखिलेश यादव ने महाराष्ट्र की मौजूदा सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि ये धोखे और खोखे वाली सरकार है जो न जाने कितने खोखों की दम पर बनी है। ये सरकार छिनी हुई सरकार है जिसे बीजेपी ने डरा-धमका कर छीनी थी।

हरियाणा का हारता हुआ चुनाव भी बीजेपी जीत गई है इसलिए महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी को रोकने के लिए INDIA गठबंधन मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा और बीजेपी को हराएगी। अखिलेश यादव ने कहा महाराष्ट्र की जनता बीजेपी सरकार को बदलने के लिए तैयार है, जिस तरह से धांधली करके यहां सरकार बनाई गई है उससे जनता नाराज है इस बार जनता यहां बड़ा बदलाव करने जा रही है। अखिलेश ने अपनी इस बात पर जोर देते हुए कहा कि INDIA गठबंधन के सभी सहयोगी दल मिलकर इस बार बीजेपी को हराकर ही दम लेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हरियाणा चुनाव को लेकर बड़े सवाल खड़े किए। अखिलेश ने कहा जहां एक तरफ सारा मीडिया, सर्वे और परसेप्शन और जनता का मतदान वो सब जनता के पक्ष में था लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने वहां भी सरकार बना ली। इसलिए हमें महाराष्ट्र में महासावधान रहने की जरुरत है, सावधान से ऊपर उठकर महासावधान रहना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सरकार मतपत्र से नहीं बनी ये सरकार कैसे बन गई किसी को नहीं पता और एक बार तो कैमरे के सामने पर भी खुलासा हो चुका है कि ये लोग बैलेट पर जबरदस्ती ठप्पे लगाकर चुनाव जीत लेते हैं। इसलिए हमको महासावधान रहने की जरुरत है। वहीं सीटों पर बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जहां समाजवादी पार्टी जीतेगी गठबंधन उनको सीटें देगा। सवाल सीट की संख्या का नहीं है सवाल जीत का है इसलिए जहां हम जीतेंगे गठबंधन वो सीटे हमको देगा महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष लगातार मेहनत कर रहे हैं। और जो पहले आएगा और जो आगे जाएगा वो ही हमेशा आगे रहेगा।

“ महाराष्ट्र की 288 सीटों में से महा विकास अघाड़ी के बीच 258 सीटों पर सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक, अभी भी 30 के करीब ऐसी सीटें हैं, जिन पर तीनों पार्टियों के बीच में कोई सहमति नहीं बन पाई है। MVA में कांग्रेस, शरद पवार गुट की एनसीपी-एसपी और उद्धव गुट की शिवसेना-यूबीटी शामिल है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में चुनाव एक चरण में संपन्न होगा। 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी। ”

## महाराष्ट्र में अखिलेश ने 4 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तारीख का ऐलान हो गया है। सभी पार्टियां सीट को लेकर गठबंधन के साथ तालमेल बैठाने में जुटी हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी अपनी तैयारी तेज कर दी है। इस बीच, महाविकास अघाड़ी से सीटों को लेकर बातचीत के बीच समाजवादी पार्टी ने चार सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। समाजवादी पार्टी ने मुंबई के शिवाजी नगर से अबू आसिम आजमी को, भिवंडी पूर्व से रईस शेख को, मालेगांव सीट से निहाल अहमद उर्फ साएने हिन्द और भिवंडी पश्चिम सीट से रियाज आजमी को उम्मीदवार बनाने का ऐलान कर दिया। महाराष्ट्र के सपा प्रदेश अध्यक्ष अबु आजमी X पर पोस्ट करते हुए कहा, सपा की महाविकास आघाड़ी से मांग सिर्फ उन्ही सीटों की है जिसपर सपा मजबूत है और चुनकर आने की ताकत रखती है। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की महाविकास अघाड़ी के नेताओं से बात जारी है और जल्द ही सपा के अन्य सीटों के प्रत्याशी घोषित किए जाएंगे।

## सपा को राष्ट्रीय पार्टी बनाने की राह पर अखिलेश

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अधिक सीटों की मांग कर पार्टी प्रदेश में अपनी भूमिका बड़ी बढ़ाने की कोशिश में है। लोकसभा चुनाव में 37 सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद समाजवादी पार्टी की कोशिश अब राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के विकास की दिख रही है। अखिलेश यादव महाराष्ट्र जैसे महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव में पार्टी को बड़ी



भूमिका दिलाकर इस रणनीति को सफल बनाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। अबू आजमी ने भी पिछले दिनों पार्टी की अधिक सीटों की डिमांड के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर फलक विस्तार की बात कही थी। ऐसे में टेंशन कांग्रेस और एमवीए की बढ़ने वाली है। दरअसल, महाराष्ट्र की राजनीति में मुलायम काल से ही अबू आजमी पार्टी का चेहरा रहे हैं। ऐसे में अब उनकी रणनीति पर गौर करना अहम होगा।

## अखिलेश यादव पर बुलडोजर से बरसाए गये फूल

महाराष्ट्र दौरे पर पहुंचे समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने दूसरे दिन धुलिया में जनसभा को संबोधित किया। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने इस दौरान समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी इरशाद भाई जागीरदार के समर्थन में वोट अपील की। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि जिस प्रदेश से हम आते हैं, वहां बुलडोजर से डराने का काम होता है, आज इरशाद भाई ने बुलडोजर से हम पर फूल बरसाए हैं।

# महाराष्ट्र और झारखंड में भाजपा को हराएगा गठबंधन : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने कहा, महाराष्ट्र और आगामी चुनावों में बहुत सावधान रहने की जरूरत

» जनता देख रही है कि यूपी में एनकाउंटर नहीं, हत्या हो रही है : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नासिक महाराष्ट्र। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों और जनसभाओं को सम्बोधित करने के लिए नासिक पहुंचे। वहां उन्होंने से पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड का चुनाव देश की राजनीति में बेहद महत्वपूर्ण है। दोनों राज्यो में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल मिलकर भाजपा को हराएंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि हरियाणा को देखते हुए महाराष्ट्र और आगामी चुनावों में बहुत सावधान रहना होगा। सभी ने देखा है कि भाजपा मतपत्र में चुनाव नहीं जीतती है। भाजपा हरियाणा में चुनाव कैसे जीती, किसी को पता नहीं है।

इंडिया गठबंधन में महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी की सीटों को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि जिन सीटों पर समाजवादी पार्टी जीतेगी, हमें उम्मीद है कि गठबंधन हमारे पक्ष में सीटें देगा, क्योंकि सवाल संख्या नहीं जीत का है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश में अराजकता की स्थिति है। जनता देख रही है कि यूपी में एनकाउंटर नहीं, हत्या हो रही है। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट को लेकर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार अयोध्या और मिल्कीपुर का दौरा किया लेकिन इंटरनल सर्वे में भाजपा चुनाव हार रही है, इसीलिए भाजपा वहां जानबूझकर चुनाव नहीं होने दे रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान विकास के बड़े काम हुए थे। समाजवादी सरकार ने माताओं-बहनों के लिए समाजवादी पेंशन योजना शुरू की थी।

यह योजना बेहद सफल रही। इस योजना को कई प्रदेशों ने अपनाया। इससे पूर्व लखनऊ से नासिक पहुंचने पर महाराष्ट्र सपा प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी समेत अन्य नेताओं ने अखिलेश यादव का स्वागत किया। अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं के साथ नासिक से मालेगांव पहुंचे।

## वक्फ विधेयक की बैठक में विपक्षी सांसदों ने जेपीसी अध्यक्ष को दी धमकी : तेजस्वी सूर्या

» बोले- विपक्षी सांसदों के व्यवहार से संसदीय शिष्टाचार का पूरी तरह से उल्लंघन हुआ है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता तेजस्वी सूर्या ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी सांसदों ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल और एक गवाह को धमकी दी और दस्तावेज भी फाड़ दिए। सूर्या ने बताया कि यह घटना 14 अक्तूबर को हुई जब समिति ने कर्नाटक के राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपड्डी को कर्नाटक में वक्फ भूमि घोटाले पर उनकी राय सुनने के लिए बुलाया था।

बंगलूरू दक्षिण से दो बार के सांसद सूर्या ने बिरला को यह पत्र उस समय लिखा है, जब विपक्ष के सांसदों ने भी लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखा है। जिसमें पाल पर समिति की बैठक के दौरान संसदीय आचार संहिता का गंभीर आरोप उल्लंघन का आरोप लगाया है।

सूर्या ने अपने पत्र में लिखा, मणिपड्डी ने 2012 की एक रिपोर्ट पर चर्चा की, जिसमें करीब 2,000 एकड़ वक्फ भूमि के बड़े पैमाने पर अतिक्रमण या बिक्री का आरोप लगाया गया है। इस भूमि की अनुमानित कीमत करीब दो लाख करोड़ रुपये है और इसमें कांग्रेस के कुछ नेताओं सहित निजी संस्थाओं को करोड़ों रुपये दिए गए। उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही यह मुद्दा समिति के सामने आया है, विपक्षी सांसदों ने बैठक को बाधित किया और गवाह व समिति के अध्यक्ष (जगदंबिका पाल) को मौखिक रूप से धमकी दी और दस्तावेज फाड़ दिए। सूर्या ने बताया कि विपक्षी सांसद गवाह, अध्यक्ष के पास जाकर उन्हें धमकाने का प्रयास किया। उनके नोट्स और कागजात छीनकर फाड़ दिए गए। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यवहार से संसदीय शिष्टाचार का पूरी तरह से उल्लंघन हुआ है। सूर्या ने कहा, इसके बाद विपक्षी सांसद अपमानजनक टिप्पणियां करते हुए बैठक से बाहर चले गए। सूर्या ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वह विपक्ष सदस्यों को आचार संहिता का पालन करन का निर्देश दें और इस असंसदीय व्यवहार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करें।

## कुछ ताकतें भारत को बदनाम करने की कोशिश कर रहीं : जगदीप धनखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि कुछ खतरनाक ताकतें भारत को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। वे भारत का खराब रंग सबको दिखाना चाहती हैं। ऐसे प्रयासों को बेअसर करने के लिए जवाबी हमला जरूरी है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्थापना दिवस समारोह में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि इन खतरनाक ताकतों को मानवाधिकार पर उपदेश और व्याख्यान देना तक पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि देश का बंटवारा, आपात काल और 1984 के सिख दंगे कुछ ऐसी घटनाएं हैं जो स्वतंत्रता की नाजुकता की याद दिलाती हैं। धनखड़ ने कहा कि कुछ खतरनाक ताकतें हैं, जो गलत तरीके से हमें कलंकित करना चाहती हैं। इन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों के जरिये हमारे मानवाधिकार रिकॉर्ड पर सवाल उठाने के लिए भी योजना बनाकर रखी है।

## एडीसी चुनाव न कराने पर सरकार पर भड़की कांग्रेस

» कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर पहाड़ी विरोधी और जनजातीय विरोधी होने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर कांग्रेस ने पिछले चार वर्षों से स्वायत्त जिला परिषद (एडीसी) चुनाव न कराने के लिए राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस ने मणिपुर की भाजपा सरकार को पहाड़ी विरोधी और जनजातीय विरोधी होने का आरोप लगाया। मणिपुर में छह स्वायत्त जिला परिषद हैं। कांग्रेस का कहना है कि साल 2015 में कांग्रेस सरकार में ही एडीसी चुनाव हुए थे, जिनका कार्यकाल साल 2020 में ही समाप्त हो चुका है।

मणिपुर कांग्रेस के अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि भाजपा सरकार पहाड़ी लोगों और आदिवासियों के खिलाफ है, क्योंकि इस भाजपा सरकार ने जानबूझकर पिछले 4 वर्षों से एडीसी चुनाव नहीं कराने का फैसला किया है। केशम ने मणिपुर विधानसभा के तहत आने वाली पहाड़ी क्षेत्र समिति (एचएसी) के 14 अक्टूबर के प्रस्ताव पर भी निशाना साधा। इस प्रस्ताव में कहा गया कि समिति ने गहन चर्चा के बाद सर्वसम्मति से मणिपुर सरकार को लंबे समय से लंबित स्वायत्त जिला परिषदों (एडीसी) के चुनाव जल्द से जल्द कराने की सिफारिश की है।

यूपी उपचुनाव में बसपा ने भी खोला पत्ता

# कुन्दरकी सीट पर रफतउल्ला को बनाया उम्मीदवार

» संभल के रहने वाले हैं रफतउल्ला, कभी डीपी यादव के करीबियों में गिने जाते थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव में बसपा ने अपना एक और पत्ता खोल दिया। अब सुप्रीमो मायावती ने कुन्दरकी विधानसभा सीट पर प्रत्याशी घोषित कर दिया। बसपा (बहुजन समाज पार्टी) ने इस सीट से रफतउल्ला उर्फ नेता छिद्दा को प्रत्याशी घोषित किया है। इसके लिए मुरादाबाद के बसपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर की प्रत्याशी की घोषणा की है। वह संभल जिले के रहने वाले हैं। यह उनका पांचवा विधानसभा चुनाव है।

बता दें कि चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान किया था, जिन पर 13 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। ऐसे में सभी पार्टियों ने कमर कस ली है और चुनावी प्रत्याशियों पर मंथन किया जा रहा है। जल्द ही सभी पार्टियों के प्रत्याशी चुनावी रण में उतर जाएंगे। प्रदेश की 10 खाली विधानसभा सीटों में से मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर चुनाव की तारीख का ऐलान नहीं हुआ था। उसकी वजह यह थी कि यहां के पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ में 2022 के आम चुनाव को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

गौरलतब है कि, कुंदरकी सीट पर बहुजन समाज पार्टी ने रफतउल्ला उर्फ नेता छिद्दा को उपचुनाव में टिकट दिया। रफतउल्ला संभल के रहने वाले हैं और पुराने बसपाई हैं। पहले डीपी यादव के करीबियों में गिने जाते थे। नेता छिद्दा का यह पांचवां विधानसभा चुनाव होगा। इसके पहले वो 3 बार संभल विधानसभा सीट पर और एक बार असमोली विधानसभा सीट पर अपनी किस्मत आजमा चुके हैं, लेकिन कभी कामयाबी हाथ नहीं लगी। संभल के गांव मूसापुर के रहने वाले रफतउल्ला उर्फ नेता छिद्दा ने साल 1996 में बसपा ज्वॉइन की थी। पहला चुनाव उन्होंने बसपा के टिकट पर 1996 में संभल सीट से लड़ा था, लेकिन हार का सामना करना पड़ा था।

### यूपी में होना है इन सीटों पर चुनाव

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। उसमें मैनपुरी के करहल, प्रयागराज के फूलपुर, कानपुर के सीसामऊ, अंबेडकरनगर की कटेहरी, मिर्जापुर की मझवां, गाजियाबाद सदर, अलीगढ़ की खैर, मजफ्फरनगर की मीरापुर और मुरादाबाद की कुंदरकी सीट शामिल है।

# उत्तर प्रदेश में फिर दिखेगी अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी

## यूपी उपचुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन

- 13 नवंबर को होगा मतदान
- कांग्रेस को उपचुनाव में मिली गाजियाबाद और खैर सीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 9 सीटों पर उपचुनाव की घोषणा होते ही सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। यहां सत्ताधारी एनडीए से मुकाबले के लिए इंडिया गठबंधन भी एकजुटता की राह पर चलने को रजामंद है। यूपी की दस सीटों में होने वाले उपचुनावों में कांग्रेस और सपा मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सपा आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि कांग्रेस को दो सीटें मिलेंगी। फिलहाल चुनाव आयोग ने नौ सीटों के लिए चुनावी कार्यक्रम तय किया है।

वहीं मिल्कीपुर सीट को लेकर न्यायालय में याचिका लंबित है, इसी वजह से इस सीट पर चुनाव का फैसला अभी नहीं हुआ है। हालांकि याचिकाकर्ता ने रिट वापिस लेने का कोर्ट में अनुरोध किया है। वहीं चुनाव की घोषणा से पहले ही बीजेपी जहां अपने एनडीए के कुनबे के साथ मैदान में उतरने का एलान कर चुकी है। उधर इंडिया गठबंधन का हिस्सा कांग्रेस और सपा भी मिलकर चुनाव लड़ने का प्लान सेट कर रहे हैं। कारण, 18 से 25 अक्टूबर तक नौ सीटों को लेकर नामांकन होगा। वहीं 13 नबम्बर को मतदान होगा। ऐसे में अब चुनावी रणनीति को अंजाम देने के लिए ज्यादा वक्त नहीं बचा है। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि कांग्रेस को उपचुनाव में गाजियाबाद और खैर सीट दे दी गई है। खैर सीट अलीगढ़ जिले में आती है। इन दो सीटों के अलावा बाकी सीटें सपा लड़ने जा रही है। कुंदरकी सीट के अलावा पार्टी ने बाकी सीटों पर प्रत्याशी भी घोषित कर दिए हैं।

### श्रीनगर में हुई थी चर्चा

**सूत्रों के मुताबिक, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच इस मुद्दे पर श्रीनगर में बुधवार को चर्चा हुई थी। कांग्रेस पहले से ही यह दो सीटें मांग रही थी।**

- मिल्कीपुर की सीट पर पिटीशन होने की वजह से चुनाव की तारीखें तय नहीं
- 18 से 25 अक्टूबर तक नौ सीटों के लिए होगा नामांकन

### सपा-कांग्रेस गठबंधन पर क्या है सपा का रुख

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि यूपी उपचुनाव के लिये हुए समझौते के तहत अलीगढ़ जिले की खैर विधानसभा सीट के साथ-साथ गाजियाबाद सीट पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारेगी। मतलब साफ है कि यूपी उपचुनाव के लिए कांग्रेस के हिस्से में गाजियाबाद और खैर सीट आई है। इसके साथ ही यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उन्हें अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और कांग्रेस पांच सीट की मांग कर रही थी।

वहीं यूपी उपचुनाव की 9 सीटों के लिए सपा ने 6 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं, सपा ने करहल सीट से तेज प्रताप यादव, सीसामऊ से नसीम सोलंकी, फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी, मीरापुर से सुम्बुल राणा, कटेहरी से शोभावती वर्मा और मंझवा विधानसभा सीट से डॉ. ज्योति बिंद को प्रत्याशी बनाया है।

### सपा इन सीटों पर लड़ रही है चुनाव

सपा 9 अक्टूबर को ही मिल्कीपुर के साथ करहल सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझवां में प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। अब प्रत्याशी उतारने के लिए कुंदरकी, मीरापुर, गाजियाबाद और खैर सीटें बची थीं। कल ही शाम को सपा ने मीरापुर में प्रत्याशी घोषित कर दिया था।

### सुंबुल राणा को दिया टिकट

समाजवादी पार्टी ने मीरापुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सुंबुल राणा को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। सुंबुल राणा पूर्व सांसद कादिर राणा की पुत्रवधू हैं और बसपा नेता एवं पूर्व सांसद मुनकाद अली की बेटी हैं।

### मिल्कीपुर सीट पर नहीं हो सका फैसला

अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर लंबित चुनाव याचिका को वापस लेने की अपील पर बृहस्पतिवार को फैसला नहीं हो सका। वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव के बाद सपा नेता अवधेश प्रसाद के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में याचिका दाखिल की गई थी। इसके लंबित होने के कारण चुनाव आयोग ने मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की थी। याचिकाकर्ता भाजपा नेता बाबा गोरखनाथ ने याचिका वापस लेने की अपील की। इस पर न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने एक हफ्ते में अधिकृत गजट प्रकाशित करने का आदेश दिया। इसके 15 दिन बाद मामले की सुनवाई होगी। अदालत ने वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव के सभी प्रत्याशियों को नोटिस भेजने का आदेश भी दिया। भाजपा नेता के अधिवक्ता संदीप यादव ने बताया कि चुनाव याचिका वापस लेने की अपील पर सपा नेता अवधेश प्रसाद के वकील ने विरोध जताया। उनका कहना था कि मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस भेजी जानी चाहिए। चुनाव याचिका दाखिल करते समय सभी पक्षों को नोटिस भेजी गई थी। यदि किसी पक्ष को अपनी बात कहनी होती तो वह अदालत पहुंच सकता था। उन्होंने कहा कि अदालत के आदेशानुसार अधिकृत गजट का प्रकाशन एक-दो दिन में कर दिया जाएगा।

#### 2022 में 13 हजार से ज्यादा मतों से जीती थी सपा

वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव में मिल्कीपुर सीट पर सपा नेता अवधेश प्रसाद ने भाजपा नेता बाबा गोरखनाथ को 13 हजार से ज्यादा मतों से हराया था। इन दोनों के अलावा कांग्रेस से ब्रजेश कुमार, बसपा से मीरा देवी, मौलिक अधिकार पार्टी से राधेश्याम और निर्दलीय प्रत्याशी शिवमूर्ति ने चुनाव लड़ा था। भाजपा नेता ने याचिका वापस लेने के बाद चुनाव आयोग से अन्य नौ सीटों के साथ मिल्कीपुर विधानसभा में चुनाव कराने के लिए अनुरोध करने की बात कही थी। अदालत में फैसले के बाद अन्य सीटों के साथ मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की अभी संभावना नहीं है।

### यूपी उपचुनाव सीट बंटवारे पर बोले आचार्य प्रमोद कृष्णम

यूपी उपचुनाव में सपा 8 और कांग्रेस दो सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसी बीच कल्कि पीठाधीश्वर और पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस को लेकर निशान साधा है। कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- NC के बाद आज SP ने भी कांग्रेस को उसकी हैसियत बता दी। उनका यह बयान यूपी उपचुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि हरियाणा विधानसभा चुनाव और जम्मू-कश्मीर के चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन ने इंडिया गठबंधन में उसकी छवि को कम कर दिया है।

### मिल्कीपुर में चुनाव लड़ने से भाग रही सपा: जेपीएस राठौर

अयोध्या जिले की मिल्कीपुर (सुरक्षित) सीट पर 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में दाखिल याचिका फैसला टलने के लिए भाजपा ने सपा को जिम्मेदार ठहराया है। प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि सपा इस सीट पर हार से डर रही है। इसलिए जानबूझ कर याचिका का विरोध किया है। इससे स्पष्ट है कि सपा चुनाव लड़ने से भाग रही है। उन्होंने कहा कि अगर सपा वास्तव में चुनाव कराना चाहती है तो उसे चुनाव आयोग में लिखित रूप से देना चाहिए और चुनाव कराने की मांग करनी चाहिए। मंत्री ने कहा सपा यह जान चुकी है कि उसे सभी सीटों पर मुंह की खानी पड़ेगी। इसलिए वह किसी न किसी बहाने चुनाव को टलवाना चाहती है। वहीं, याचिका दाखिल करने वाले गोरखनाथ का भी कहना है कि 2022 के चुनाव परिणाम को लेकर एक और याचिका दाखिल करने

वाले शिवमूरत भी उनके साथ याचिका वापस लेने के लिए कोर्ट आए हुए थे, लेकिन सपा नहीं चाहती है कि मिल्कीपुर सीट पर चुनाव हो। इसलिए सपा ने याचिका के वापस होने संबंध अपील का विरोध किया है। बता दें कि 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में हारने वाले बाबा गोरखनाथ बाबा ने याचिका दाखिल कर रखा था। इस वजह से चुनाव आयोग ने सिर्फ 9 सीटों पर ही चुनाव कराने का कार्यक्रम जारी किया है। इसपर बाबा गोरखनाथ ने याचिका वापस लेने की याचिका दाखिल किया। इस पर बृहस्पतिवार को फैसला होना था, लेकिन सपा सांसद अवधेश प्रसाद के अधिवक्ता की ओर से आपत्ति दाखिल किए जाने से फैसला 15 दिन के लिए टाल दिया गया है।

> “सपा यह जान चुकी है कि उसे सभी सीटों पर मुंह की खानी पड़ेगी। इसलिए वह किसी न किसी बहाने चुनाव को टलवाना चाहती है”

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# मतदाताओं के लिये आत्ममंथन का समय

*भारतीय लोकतंत्र, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है। आज कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। एक समय था जब राजनीति समाज सेवा का माध्यम हुआ करती थी। एक आम आदमी के लिए यह एक सम्मानजनक पेशा माना जाता था। परंतु आज की स्थिति बिलकुल ही विपरीत है। धनाढ्य लोगों, बाहुबलियों और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की राजनीति में सक्रिय भागीदारी भारतीय लोकतंत्र की नई वास्तविकता बन गई है। दरअसल, राजनीति में इन लोगों का सक्रिय होना, अब भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था का चरित्र बन चुका है। कहीं ज्यादा तो कहीं कम, उनकी उपस्थिति हर राज्य व केंद्र की राजनीति में नजर आती है। हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा के चुनावों के बाद आई एक रिपोर्ट ने इस मुद्दे को फिर विमर्श में ला दिया है। आपको बता दें कि इस रिपोर्ट के अनुसार राज्य में चुने गए 96 फीसदी विधायक करोड़पति हैं। वैसे यह कहना कठिन है कि जनप्रतिनिधि नामांकन भरते समय कितनी ईमानदारी से अपनी सफेद कमाई को दर्शाते हैं। जबकि अश्वेत कमाई का तो कोई जिक्र ही नहीं होता।*

*वहीं रिपोर्ट में दूसरी चौंकाने वाली बात ये है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतने वाले माननीयों में 13 फीसदी का आपराधिक अतीत रहा है। इनमें से कई पर गंभीर अपराधों के लिये मुकदमें चल रहे हैं। यह मतदाताओं के लिये भी आत्ममंथन का समय है कि प्रत्याशी की हकीकत को जानते हुए भी उसे जिताने लायक वोट कैसे मिल जाते हैं। यूं तो जुबानी तौर पर हर बड़ा राजनीतिक दल लोकतंत्र में राजनीतिक शुचिता की वकालत करता नजर आता है, बड़ी-बातें दोहराता है। लेकिन हकीकत में स्थिति वही 'ढाक के तीन पात।' चुनाव आते ही ऐसी नकारात्मकता प्रत्याशी की जीत की गारंटी बन जाती है। जनता भी अब सुन-सुनकर थक चुकी है। उसे भी लगने लगा कि शायद यही विसंगति हमारी नियति बन गई है। वैसे राजनेताओं के साथ ही मतदाता भी इस राजनीतिक विद्रूपता के लिये कम जिम्मेदार नहीं है, जो छोटे-छोटे प्रलोभनों के लिये मतदान करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करता। दरअसल, आजादी के सात दशक बाद भी मतदाता को इतना विवेकशील बनाने की पहल राजनेताओं ने नहीं की कि वह अपने विवेक से राष्ट्रीय हितों को देखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। जो भ्रष्टाचार की अंतहीन श्रृंखला को जन्म देता है। दरकते पुलों, धंसती सड़कों, बीमार अस्पतालों तथा बदहाल शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार की परिणति के रूप में देखा जा सकता है। यह समय आत्ममंथन का है। यदि हम इस दिशा में सही कदम नहीं उठाते, तो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर धनबल और बाहुबल का काला साया हमेशा मंडराता रहेगा, और हमारे सपनों का भारत केवल एक कल्पना बनकर रह जाएगा।*

**"धनाढ्य लोगों, बाहुबलियों और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की राजनीति में सक्रिय भागीदारी भारतीय लोकतंत्र की नई वास्तविकता बन गई है। दरअसल, राजनीति में इन लोगों का सक्रिय होना, अब भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था का चरित्र बन चुका है। कहीं ज्यादा तो कहीं कम, उनकी उपस्थिति हर राज्य व केंद्र की राजनीति में नजर आती है।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# युवा डॉक्टरों को भी आत्मनिरीक्षण की जरूरत

अविजित पाठक

अब जब मैं कोलकाता से यह लेख लिख रहा हूं, तो युवा डॉक्टरों को सड़क पर उतरकर, अपनी आवाज उठाते, पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार के विशाल नेटवर्क का पर्दाफाश करते या उनमें व्याप्त 'धमकाने वाली संस्कृति' के अत्याचार को उजागर करते और अपने कार्यस्थल पर सुरक्षा और संरक्षण की मांग करते हुए देख रहा हूं। हां, उनका दृढ़ निश्चय या सत्ताधारी राजनीतिक प्रतिष्ठान से लड़ने का उनका साहस वाकई में प्रशंसनीय है। फिर भी, मैं उनसे और उनके वरिष्ठ सहयोगियों से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने क्षितिज को व्यापक बनाएं, पर्याप्त रूप से आत्म-चिंतनशील बनें और साथ ही आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन की खामियों का आलोचनात्मक विवेचन करें -इसके प्रभुत्व का विमर्श, इसके वस्तुकरण और इससे जुड़े अनेकानेक आचरणों का।

मैं चाहता हूं कि युवा डॉक्टर - विशेषकर - क्योंकि उन्होंने अभी तक अपनी आलोचनात्मक सोच खोई नहीं होती, व्याप्त प्रणाली की आलोचना पर विचार करें और अपने संघर्ष को एक नया अर्थ दें। युवा डॉक्टरों को ज्ञान की प्रचलित राजनीति पर विचार करने की जरूरत है। वास्तव में, जैसा कि इवान इलिच ने अपनी उत्कृष्ट रचना 'लिमिट्स टू मेडिसिन' में बड़ी बारीकी से व्यक्त किया है कि आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन में निहित प्रभुत्व का विमर्श रोगी की प्रभावशीलता को सीमित कर देता है। लेकिन फिर, बतौर रोगी, आप केवल मापने योग्य मापदंडों (मसलन, आपका ब्लड कल्चर, या आपकी बायोप्सी रिपोर्ट के निष्कर्ष) के एक समुच्चय के साथ कोई 'पहचानहीन' शरीर न होकर, चेतना सहित एक जीवित आत्मा और जीता-जागता व्यक्तित्व भी हैं, और आप जिस ढंग से जीना या मरना चाहते हैं, उसको लेकर आपकी अपनी पसंद होनी चाहिए। क्या आपके लिए जरूरी है कि किसी सुपर-स्पेशिएलिटी अस्पताल के आईसीयू में कीमोथेरैपी की दर्दनाक प्रक्रिया से गुजरें, इस उम्मीद के साथ कि इससे आपको 'एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया' के दर्द से अस्थायी राहत मिल सकेगी, और अगले दो महीने तक और जीवन चल सकता है?

या, क्या आपको खुद को एक्सपेरिमेंट करने की एक वस्तु में बदलने से मना कर देना चाहिए और अपने घर वापस लौटना चाहिए ताकि अपने शयनकक्ष में, अपने प्रियजनों की

मौजूदगी के बीच दुनिया छोड़ी जा सके? चाहे यह 'वैज्ञानिकता' की शक्ति और आभा से युक्त सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर हों या फिर कृत्रिम जीवन-रक्षक प्रणालियों की तकनीक, किसी को भी आपको आपकी पसंद या आपकी इच्छा से वंचित करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। हालांकि, विडंबना यह है कि आधिपत्य वाली बायोमेडिसिन के कारण और इलिच के शब्दों में कहें तो, 'मौत के चिकित्साकरण' के परिणामस्वरूप लगता है हममें से अधिकांश ने जीने और मरने के अनुभव पर अपना नियंत्रण खो दिया है। डॉक्टरों और उनसे संलग्न दवा उद्योग की हर बात पर 'हां' न कहने को अक्सर गैरजिम्मेवाराना काम या 'विज्ञान विरोधी' स्वभाव का प्रदर्शन माना जाता है! इसी प्रकार, क्या युवा डॉक्टरों के लिए यह संभव होगा कि वे इस बात से कुछ असहज महसूस करें कि उनके पेशे को किस प्रकार व्यापार या मुनाफा कमाने वाले धंधे में बदल दिया गया है? बेशक, डॉक्टरों को कमाने और एक बढ़िया जीवन जीने की जरूरत है। लेकिन फिर, हम देखते हैं कि कैसे हमारे भीड़भाड़ से अटे सरकारी अस्पतालों में अच्छी सुविधाओं की कमी के कारण (मत भूलें कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.2 प्रतिशत रखा गया है) कॉर्पोरेट सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल 'बढ़िया स्वास्थ्य' को 'उचित' मूल्य सूची के साथ एक वस्तु के रूप में बेचने में संकोच नहीं करते - मसलन, आईसीयू में रखने का खर्च प्रतिदिन 90,000 रुपये, या डीलक्स कमरा = 75,000 रुपये हर रोज, या बाईपास सर्जरी और किडनी प्रत्यारोपण के लिए आकर्षक 'पैकेज' या 'छूट'। कोई आश्चर्य नहीं, स्वास्थ्य बीमा कंपनियां 'खुश उपभोक्ताओं के चेहरे पर मुस्कान लाना' चाहती हैं, और आपको सलाह देती हैं कि 'खर्च सीमा के बारे में चिंता न करें, केवल अपने स्वास्थ्य लाभ पर ध्यान दें'!

हालांकि, यदि आप अपनी आंखें खुली रखने की हिम्मत करें तो आप आसानी से देख सकते हैं कि कैसे एक पवित्र पेशा तेजी से कॉर्पोरेट अस्पताल एवं नर्सिंग होम, सदा पॉलिसी करवाने पर जोर देती स्वास्थ्य बीमा कंपनियों और सबसे बढ़कर, 65 बिलियन डॉलर मूल्य के दवा उद्योग की श्रृंखला से जुड़े एक बदसूरत व्यापार में परिवर्तित हो रहा है। क्या यही कारण है कि मध्यम वर्ग के माता-पिता अपने बच्चों को संदिग्ध निजी मेडिकल कॉलेजों में भेजने के लिए अपनी संपत्ति तक बेचने के लिए तैयार हैं ताकि वे 'डॉक्टर' बन सकें?

# 'फाइव आइज' के कंधे पर भारत विरोधी खेल

पुष्परंजन

'कोई हाथ भी न मिलाएगा, जो गले मिलोगे तपाक से।' कनाडा-भारत के शिखर नेताओं के सम्बन्ध पर कोई एक लाइन की टिप्पणी मांगे, तो बशीर बद्र का यह शेर काफी है। आप पूछियेगा, मोदी आखिरी बार कनाडा के प्राइम मिनिस्टर जस्टिन ट्रूडो से कब गले मिले थे? 23 फरवरी, 2018 को पीएम मोदी ने आखिरी बार जस्टिन ट्रूडो को 'हग' किया था। ट्रूडो आठ दिन की यात्रा पर भारत आये थे। राष्ट्रपति भवन में जस्टिन ट्रूडो, और उनके परिवार का भव्य स्वागत पीएम मोदी की उपस्थिति में किया गया। अब 'हग' करना तो दूर, दोनों नेता हाथ मिलाने से कतराते हैं। लेकिन, ट्रूडो को खलिश इस बात की थी, कि बेंजामिन नेतन्याहू, बराक ओबामा, शेख हसीना और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का विमानस्थल पर स्वागत करने वाले मोदी ने उन्हें हवाई अड्डे पर रिसीव क्यों नहीं किया? जस्टिन ट्रूडो से दरअसल पीएम मोदी खुन्नस खाये हुए थे।

जस्टिन ट्रूडो अपनी यात्रा में एक ऐसे शख्स को ले आये थे, जिसकी जानकारी मिलते ही पीएम मोदी की भृकुटियां चढ़ गईं। वह शख्स था, कनाडा का तथाकथित पत्रकार मनवीर सिंह सैनी, जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2015 की कनाडा यात्रा का विरोध किया था। सैनी ने वैसा बैनर पकड़ रखा था, जिस पर लिखा था, 'मोदी एक आतंकवादी है', 'मोदी आपका कनाडा में स्वागत नहीं है', और 'भारत खालिस्तान से बाहर है'। तस्वीरें तब वायरल हुई थीं। 4 नवम्बर, 2015 से जस्टिन ट्रूडो सत्ता में हैं। उससे तीन माह पहले, 1 अगस्त, 2015 को पीएम मोदी जब कनाडा गए थे, तब यह बैनर कांड हुआ था, उस समय स्टीफन हार्पर सत्ता में थे। मोदी ने इसे इग्नोर किया, और कनाडा से सम्बन्ध प्रगाढ़ करने की दिशा में कई समझौते किये। दोनों देशों के बीच सम्बन्ध सौहार्द्रपूर्ण बनें, इसे ध्यान में रखकर गुजराती मूल के नादिर पटेल को जस्टिन ट्रूडो के सत्ता में आने के कोई 10 महीने पहले दिल्ली, हाई कमिश्नर बनाकर भेजा गया था। लेकिन नादिर पटेल के संभाले बात संभल नहीं रही थी।

2018 में यात्रा समापन की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग में एक पार्टी का आयोजन था, जिसमें सिख अलगाववादी जसपाल अटवाल को, ट्रूडो के साथ आये एक सांसद ने पार्टी में आमंत्रित किया था। जसपाल अटवाल को 1986 में कनाडा की यात्रा के दौरान एक भारतीय कैबिनेट मंत्री की हत्या की कोशिश करने का दोषी ठहराया गया था। अटवाल को जेल में डाल दिया गया। रिहा होने के बाद अटवाल व्यवसायी बन गए। बाद में अटवाल जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी के समर्थक बन गए, और वाशिंग मशीन में धुल गए। ट्रूडो एक बार फिर 9 और 10 सितंबर, 2023 को दिल्ली आये। दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कई विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं, लेकिन ट्रूडो को नजरअंदाज कर दिया।

इससे नाराज कनाडा ने अगले माह व्यापार मिशन के एक कार्यक्रम को कैंसिल कर दिया। इस नूराकुश्ती का एक दिलचस्प पहलू यह है, कि भारत ने कनाडा को निर्यात में लगातार वृद्धि की है। 2016-17 में 2.0 बिलियन डॉलर से यह बढ़कर 2023-24 में 3.8 बिलियन डॉलर हो गया है। कनाडा में इस बार आम चुनाव जस्टिन ट्रूडो जीत पाएंगे? इस सवाल के हवाले से कई सर्वे एजेंसियां शक जाहिर कर रही हैं। कनाडा में प्रवासी सिख वोटर्स के बीच जस्टिन ट्रूडो अपनी लोकप्रियता बनाये रखना चाहते हैं। 'एंटी मोदी हाइप' के पीछे यह सबसे बड़ा कारण है। किसान आंदोलन के समर्थन में दिसंबर, 2020 को जो बयान जस्टिन ट्रूडो ने दिया, वह भी इसी रणनीति का हिस्सा था, जो मोदी से निजी अदावत को भी आगे बढ़ा रहा था। 2021 की जनगणना के अनुसार, कनाडा में 771,790 सिख रहते हैं। आप कह सकते हैं कि पंजाब के बाहर कनाडा में सबसे बड़ी सिख आबादी है। चुनाव अमेरिका में भी है, जिसके लिए 70,697 सिख वोटर मायने रखते हैं। कनाडा के बाद ब्रिटेन दूसरा देश है, जहां सिखों की आबादी पांच लाख, 35 हजार है। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है जहां दो लाख, 10 हजार 400 सिख बसे हुए हैं। न्यूजीलैंड में 41 हजार सिख आबादी है। ये 'फाइव आइज' वाले वो देश हैं, जहां बसी सिख आबादी को मुख्यधारा की राजनीति इग्नोर नहीं कर सकती।

दोनों लीडरशिप के बीच तनाव 2023 से ज्यादा तेज हुआ है। उसका मुख्य कारण आम चुनाव कहें, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। 18 जून, 2023 को 45 वर्षीय अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की वैंकूवर के उपनगर शहर सरे में गुरुद्वारे से निकलते समय हत्या कर दी गई थी। उसकी हत्या से दो साल पहले 2020 में, हरदीप सिंह निज्जर को भारत सरकार द्वारा 'आतंकवादी' घोषित कर दिया गया था। निज्जर की हत्या मामले में 'फाइव आइज' वाले देश भारत के विरुद्ध संयुक्त मोर्चा खोल चुके हैं। उसमें घी का काम गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या वाली तथाकथित साजिश कर रही है, जिसके लपेटे में गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल तक आ गए हैं। जिस तरह से सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आई हुई है, उसने कई सवालों को जन्म दिया है। 19 सितंबर, 2024 को, ओटावा ने एक भारतीय राजनयिक को निष्कासित कर दिया, और भारत ने भी एक कनाडाई राजनयिक को निष्कासित करके जवाबी कार्रवाई की। निष्कासन उसी समय हुआ जब ओटावा ने घोषणा की कि वह निज्जर की हत्या से भारतीय सरकारी एजेंटों को जोड़ने वाले 'विश्वसनीय आरोपों की सक्रिय रूप से जांच कर रहा है'।

## पूजा विधि

करवा चौथ के दिन सुबह ही स्नान कर लेना चाहिए। इसके बाद साफ वस्त्रों को धारण करें। अब पूजा करने के लिए सभी सामग्रियों को एकत्रित कर लें। फिर घर के मंदिर की दीवारों पर गेरू से फलक बनाकर करवा का चित्र बनाएं। इसके बाद महिलाएं मुहूर्त के अनुसार पूजा स्थान पर अपना स्थान लें, और करवा माता की कथा सुनें। कथा के बाद सभी बड़ो का आशीर्वाद लें। शाम के समय आप एक चौकी लगाएं, उसपर लाल रंग का वस्त्र बिछाएं। फिर उसपर पर करवा माता की तस्वीर स्थापित कर लें, और चौकी के पास एक दीया जलाएं। इस दौरान एक करवा चावल भरकर उसे दक्षिणा के रूप में रख दें।

## पूजा मुहूर्त

इस साल करवा चौथ पर पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 20 अक्तूबर 2024 की शाम 5 बजकर 46 मिनट से शुरू होगा। ये मुहूर्त शाम 7 बजकर 02 मिनट तक रहने वाला है। इस दौरान आप विधि विधान से करवा माता की आराधना और कथा सुन सकते हैं।

## ना करें ये गलतियां

करवा चौथ का पर्व पति-पत्नी के बीच के रिश्ते को मजबूत करने और अखंड सौभाग्य पाने का होता है। इसलिए इस दिन सोलह श्रृंगार जरूर करें। सोलह श्रृंगार न सिर्फ सुहाग का प्रतीक होता है बल्कि यह शुभता को भी दर्शाता है। बिना सोलह श्रृंगार के पूजा करने की गलती ना करें। करवा चौथ के दिन बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने का बड़ा महत्व है। लिहाजा इस दिन बड़े-बुजुर्गों का अपमान करने की गलती न करें, वरना विधि-विधान से पूजा करने के बाद भी उसका पूरा फल नहीं मिलेगा। करवा चौथ 2024 के दिन शुभ रंग पहनना चाहिए जैसे- लाल, हरे या पीले रंग। करवा चौथ के दिन नीले, काले या भूरे रंग के कपड़े पहनने की गलती ना करें। इन तीनों रंगों का संबंध शनि देव से है और करवा चौथ के दिन ये रंग पहनना आपके जीवन पर संकट ला सकता है। साथ ही वैवाहिक जीवन में समस्याएं पैदा कर सकता है। करवा चौथ के दिन सफेद रंग के कपड़े भी ना पहनें। करवा चौथ के दिन श्रृंगार के सामान का दान ना करें। ना ही इस दिन चांदी, दूध, दही या सफेद चावल दान करें।

# करवा चौथ के व्रत से वैवाहिक समस्याएं होती हैं दूर

करवा चौथ व्रत को बहुत कठिन माना जाता है। मान्यता है करवा चौथ का व्रत रखने से पति की उम्र लंबी होती है और वैवाहिक जीवन में खुशियां आती हैं। यदि वैवाहिक जीवन में तनाव या समस्याएं हों तो करवा चौथ का व्रत करने से वे दूर हो जाती हैं। करवा चौथ का व्रत हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। उस दिन कार्तिक संकष्टी चतुर्थी होती है, जिसे वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी कहते हैं। करवा चौथ पर करवा माता की पूजा की जाती है और पूजा के बाद चंद्र दर्शन करते हुए अर्घ्य देकर पति के हाथों से पानी पीकर व्रत का पारण किया जाता है। इसके बिना करवा चौथ का व्रत पूरा नहीं होता है। इस त्योहार पर सुहागिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं करवा चौथ पर विशेष रूप भगवान गणेश और चंद्रदेव की पूजा का विधान है। करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुख समृद्धि के लिए रखती हैं।

## करवा चौथ की तिथि

हर साल कार्तिक मास की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का त्योहार मनाया जाता है। इस बार करवा चौथ का व्रत 20 अक्तूबर को मनाया जाएगा। कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि का आरंभ इस साल 20 अक्तूबर 2024 को सुबह 6 बजकर 46 मिनट से होगा और यह अगले दिन 21 अक्तूबर 2024 को सुबह 4 बजकर 16 मिनट पर समाप्त हो जाएगी।

**क्या करें** करवा चौथ के व्रत के लिए कुछ खास नियम का पालन करना व्रती महिलाओं के लिए बहुत आवश्यक होता है। अन्यथा आपका व्रत का पूर्ण फल नहीं मिलता है। करवा चौथ पर विवाहित महिलाओं को 16 श्रृंगार करना चाहिए। साथ ही हाथों में मेहंदी भी जरूर लगानी चाहिए। जो महिलाएं करवा चौथ पर 16 श्रृंगार करके करवा माता की पूजा करती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। लाल रंग सुहागिन की निशानी होती है, इसीलिए इस दिन लाल रंग के कपड़े जरूर पहनने चाहिए।

## हंसना मना है

डॉक्टर ने महिला मरीज से कई सवाल पूछने के बाद जानना चाहा-आपके कितने बच्चे हैं? तनिक लजाते हुए महिला ने बताया-उतने ही है बस जितने रोनाल्डो की जर्सी के नंबर हैं।

गुस्से में लाल— 'पीले होते वे महाशय दर्जी की दुकान पर चढ़े और बोले— 'देख रहे हो यह सूट? तुम कहते थे, कपड़ा कम है। मटका गली वाले दर्जी ने उसी कपड़े से सूट भी बनाया और जो कपड़ा बचा, उससे अपने पांच साल के लड़के का एक कोट भी बना लिया। मैं तुमसे पूछता हूं.."मैं खुद ही बताये देता हूं।' दर्जी विनम्रता से बोला, 'असल में मेरा लड़का ग्यारह साल का है।'

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे, शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को... चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है...

गोलू की गर्लफ्रेंड गोलू से- जानू मैं तुम्हारे लिए आग पे चल सकती हूं, नदी में कूद सकती हूं... गोलू- मैं भी तुमसे बेइन्तहां प्यार करता हूं, क्या तुम मुझसे मिलने अभी आ सकती हो? गर्लफ्रेंड- पागल हो गए हो क्या, इतनी धूप में मैं काली पड़ गई तो...

## कहानी | कौवों की गिनती

एक सुबह बादशाह अकबर ने बीरबल को बुलाया और बगीचे में घूमने के लिए चले गए। वहां पर बहुत सारे पक्षी आवाज कर रहे थे। अचानक बादशाह अकबर की नजर एक कौवे पर पड़ी और उनके मन में शरारत सूझी। उन्होंने बीरबल से कहा कि मैं यह जानना चाहता हूं कि हमारे राज्य में कुल कितने कौवे हैं। यह सवाल थोड़ा अटपटा जरूर था, लेकिन फिर भी बीरबल कहा कि महाराज मैं आपके इस प्रश्न का जवाब दे सकता हूं, लेकिन मुझे थोड़ा समय चाहिए। अकबर ने मन ही मन मुस्कुराते हुए बीरबल को समय दे दिया। कुछ दिनों के बाद बीरबल दरबार में आए, तो शहंशाह अकबर से पूछा कि बोलो बीरबल कितने कौवे हैं हमारे राज्य में। बीरबल बोले कि महाराज हमारे राज्य में करीब 323 कौवे हैं। यह सुनते ही सभी दरबारी बीरबल को देखने लगे। फिर बादशाह अकबर बोले कि अगर हमारे राज्य में कौवों की संख्या इससे ज्यादा हुई तो? बीरबल बोले कि हो सकता है कि महाराज कुछ कौवे हमारे राज्य में अपने रिश्तेदारों के यहां आए हों। इस पर बादशाह अकबर ने कहा कि अगर कम हुए तो? तब बीरबल बोले कि हो सकता है कि हमारे राज्य के कौवे दूसरे देश अपने रिश्तेदारों के यहां गए हों। जैसे ही बीरबल ने यह बात कही पूरा दरबार ठहाकों से गूंज उठा और एक बार फिर बीरबल अपनी बुद्धि के कारण प्रसंशा के पात्र बन गए।

**कहानी से सीख:** बच्चों, इस कहानी से यह सीख मिलती है कि अगर दिमाग का इस्तेमाल किया जाए, तो हर समस्या का हल और सवाल का जवाब ढूंढा जा सकता है।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

**वृषभ**

शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा।

**मिथुन**

धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

**कर्क**

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

**सिंह**

संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**कन्या**

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

**तुला**

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

**वृश्चिक**

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**धनु**

कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

**मकर**

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

**कुम्भ**

सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

**मीन**

शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें।

# 14 मार्च को रिलीज होगी अक्षय की फिल्म 'द केस दैट शुक द एम्पायर'

अक्षय कुमार हिंदी फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता हैं और उन्हें उनकी बहुमुखी अभिनय क्षमता के लिए काफी पसंद भी किया जाता है। हालांकि, बीते कुछ समय से उनकी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन गिरता जा रहा है। इसके बावजूद अक्षय फिल्मों में लगातार नजर आ रहे हैं। इसे लेकर अभिनेता को कई मौकों पर आलोचनाएं भी सहनी पड़ी हैं। अक्षय कुमार को इस वक्त एक अदद हिट की तलाश है। इस बीच उनकी एक और आगामी फिल्म की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है।

अक्षय कुमार की फिल्मों का बुरा दौर जरूर चल रहा है, लेकिन उससे अक्षय कुमार को लेकर निर्माताओं का विश्वास कमजोर नहीं हुआ है। अक्षय की पिछली रिलीज फिल्म खेल खेल में भी बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। इसके बावजूद अभी उनके पास कई फिल्में हैं, जिससे वह हिट फिल्मों का सूखा खत्म कर सकते हैं। आज, 18 अक्तूबर को अभिनेता की एक और आगामी फिल्म की घोषणा धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा की गई है। ये एक

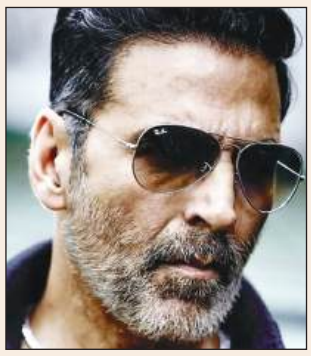

मनोरंजक पीरियड ड्रामा फिल्म होने वाली है, जो ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म न्याय और सत्य के महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित होगी।

करण सिंह त्यागी इस फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। इस फिल्म की कहानी एक जाने-माने वकील और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सी. शंकरन नायर के जीवन से प्रेरित है। नायर ने जलियांवाला बाग हत्याकांड की सच्चाई को उजागर करने के लिए लड़ाई लड़ी थी। यह फिल्म रघु पलात और पुष्पा पलात द्वारा लिखी गई किताब 'द केस दैट शुक द एम्पायर' पर आधारित होने वाली है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा आर. माधवन और अनन्या पांडे भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वास्तविक घटनाओं पर आधारित इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन के साथ अक्षय की केप ऑफ गुड फिल्म्स और लियो मीडिया कलेक्टिव साथ मिलकर करेंगे। फिल्म का शीर्षक अभी सुनिश्चित नहीं किया गया है। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट 14 मार्च 2025 तय की गई है। न्याय और सत्य के महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित इस फिल्म से अक्षय और उनके फैंस को काफी उम्मीदें होंगी, जो इस वक्त एक सफल फिल्म की तलाश कर रहे हैं। अक्षय कुमार इस फिल्म के अलावा कुछ और फिल्मों में भी नजर आने वाले हैं। अक्षय जल्द ही रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में कैमियो करते नजर आएंगे। इसके बाद वह एडवेंचर कॉमेडी फिल्म वेलकम टू जंगल में भी नजर आएंगे। इसके अलावा वह विष्णु मांचू की मुख्य भूमिका वाली कन्नप्पा फिल्म में भी एक अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इसके साथ ही उनकी जॉली एलएलबी 3, स्काई फोर्स और भूत बंगला भी प्रस्तावित हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

# मुझे ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जिसके पास सोचने का अलग तरीका हो : श्रुति

श्रुति हासन सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। अपने शानदार अभिनय के साथ, वह अपने रिलेशनशिप को लेकर भी काफी सुर्खियों में रही हैं। अपने बॉयफ्रेंड शांतनु हजारिका से ब्रेकअप के बाद उनकी सिंगल लाइफ अक्सर उनके फैंस के बीच हाईलाइट रही है ऐसे में श्रुति ने हाल ही में, उन खूबियों का खुलासा किया जो वह अपने पार्टनर में देखती हैं आइए जानते है क्या हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

श्रुति हासन ने अपने लव लाइफ के बारे में बात की और साझा किया कि वह अपने लाइफ पार्टनर में किस तरह के खूबियों को देखना चाहती हैं। श्रुति ने कहा, उन्हें एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत है, जिसके पास सोचने समझने का अलग तरीका हो, जो उनके साथ मस्ती कर सके और एक अलग क्रिएटिव सोच रखता हो। श्रुति ने आगे कहा क्योंकि मैं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हुं। इसलिए आज से पहले मेरे साथ रहने वाले सभी लोग मुझपर निर्भर रहते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा मुझे समझ आ गया है कि चाहे कैसा भी रिश्ता हो। हर चीज बराबर होनी चाहिए।

बता दें कि श्रुति हासन पहले शांतनु हजारिका के साथ रिलेशनशिप में थीं। कपल ने 2020 में कोविड के दौरान डेटिंग शुरू की थी। दोनों ने लगभग चार साल तक डेट किया और सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय भी रहे। श्रुति हासन और शांतनु हजारिका ने 2024 में अलग होने का फैसला किया, जिसका कारण कपल ने रिवील नही किया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं, जिसमें रजनीकांत की कुली, सालार:भाग 2, और चेन्नई स्टोरी में शामिल हैं। फैंस अभिनेत्री को फिर से देखने के लिए बेकरार हैं।

# मेरी सफलता में मां और बहन की है बड़ी भूमिका : कार्तिक

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर काफी चर्चा में हैं। उनके फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इंडस्ट्री में बाहर से आकर अपने लिए एक मुकाम बनाना किसी भी कलाकार का एक सपना होता है, जिसे कार्तिक ने अपनी मेहनत और लगन से पूरा किया है। हालांकि, कार्तिक ने अपनी इस सफलता में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दो अन्य लोगों को दिया है। ये दो लोग कोई और नहीं हैं, बल्कि अभिनेता ने अपनी मां और अपनी बहन को अपनी सफलता में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया है।

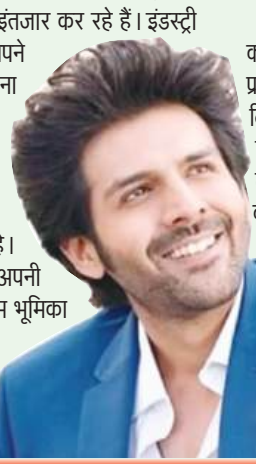

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 का जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। हाल में ही वह प्रमोशन के लिए इंदौर में थे, जहां अभिनेता से उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले लोगों को लेकर सवाल पूछा गया है। इसके जवाब में कार्तिक ने बिना देरी करते हुए अपनी मां और बहन का नाम लिया। अभिनेता ने कहा,मेरे मामले में, यह मेरी मां और बहन हैं। इस बातचीत के दौरान भूल भुलैया 3 अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म को लेकर कई संकेत भी दिए, जिससे ये साफ होता है कि इस बार फिल्म काफी डरावनी और मजेदार होने वाली है। कार्तिक ने कहा, ऐसी कई चीजें हैं, जो इस किस्त को पिछले दो से अलग बनाती हैं। इस नए किस्त में, दर्शकों को और भी ज्यादा डरावनी चीजें देखने को मिलेंगी। दिग्गज अभिनेत्रियां विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी तीसरे भाग का हिस्सा होंगी - सिर्फ उनके नाम ही फिल्म में चार चांद लगा देते हैं।

# बिलासपुर में सड़क घोटाले का चौंकाने वाला मामला! अधिकारी-सरपंच झाड़ रहे पल्ला

जिले के मस्तूरी विकासखंड के ग्राम पंचायत चिल्हाटी में भ्रष्टाचार का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। लाखों की लागत से बनी सीसी सड़क अब गायब हो गई है, मानो कभी बनाई ही न गई हो। ग्रामीणों को इस समस्या से जूझना पड़ रहा है, जबकि अधिकारी और सरपंच एक-दूसरे पर दोष मढ़ने में व्यस्त हैं। इस गांव में सड़क के नाम पर लाखों रुपए खर्च करने के बावजूद अब ग्रामीणों को दलदल में खराब सड़कों पर चलना पड़ रहा है।

सरपंच और अधिकारियों का कहना है कि मंडी से गुजरने वाले भारी वाहनों की वजह से सड़क टूट गई। एसडीओ अमित बंजारे ने दावा किया कि 12 से 15 लाख रुपये की लागत से बनी 500-600 मीटर लंबी सड़क की गुणवत्ता निर्माण के समय जांची गई थी और वह सही पाई गई थी। लेकिन अब सड़क की हालत यह है कि मानो कभी सड़क बनी ही न हो। सब इंजीनियर अभिषेक भारद्वाज का कहना है कि धान मंडी से भारी गाड़ियों की आवाजाही से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीण सुरेश यादव ने आरोप लगाया कि सरपंच और अधिकारियों की मिलीभगत से सड़क निर्माण में भारी घोटाला हुआ है। न सिर्फ सड़क प्रस्तावित लंबाई से कम दूरी तक बनी, बल्कि जो सड़क बनी, वह भी घटिया सामग्री से बनाई गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने के कुछ ही महीनों बाद उखड़ने लगी थी, जो घटिया सामग्री के उपयोग का साफ संकेत है। ग्रामीणों का तर्क है कि जब पहले से ही पता था कि इस सड़क से मंडी की भारी गाड़ियां गुजरेंगी, तो निर्माण के समय इसे टिकाऊ क्यों नहीं बनाया गया। प्रशासन और सरपंच का अब यह दावा करना कि भारी वाहनों की वजह से सड़क टूटी, केवल अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का प्रयास है।

अजब-गजब | ट्रक के पीछे लगी जंजीर के हैं कई उपयोग

# ट्रक के पीछे क्यों लगी होती है लोहे की चेन

हमारे चारों ओर कई ऐसी अनोखी घटनाएं या चीजें मौजूद हैं जो इतनी अनोखी होती हैं कि उन्हें देखकर बहुत हैरानी होती है। लोगों को इन चीजों के बारे में सब कुछ नहीं पता होगा, इस वजह से भी लोग उसे बड़ी विचित्र नजर से देखते हैं। अब ट्रकों को ही ले लीजिए। आपने हाइवे पर ट्रक्स को चलते देखा होगा। एक बात ये भी गौर की होगी कि उनके पीछे, निचले हिस्से में जंजीर बंधी रहती है। क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ट्रकों में ये जंजीर क्यों लगी रहती है? चलिए हम आपको बताते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर अक्सर लोग काफी रोचक सवाल करते हैं। हाल ही में किसी ने सवाल किया कि आखिर ट्रक के पीछे लोहे की चेन क्यों लटकी रहती है। इसके संदर्भ में कई लोगों ने जवाब दिया है। आपको बता दें कि आपने लोहे की ये जंजीरें विशेष रूप से उन ट्रकों में देखी होंगी, जिनमें गोल टंकी बनी होती है। यानी वो ट्रक जिसमें पेट्रोल-डीजल जैसे पदार्थों को ले जाया जाता है।

रिचर्ड नाम के एक यूजर ने जवाब दिया कि कई फ्यूल टैंक वाले ट्रक में लोहे की चेन होती है जिससे स्टैटिक इलेक्ट्रिसिटी को जमीन में भेजा जा सके। ऐसी बिल्ट-अप स्टैटिक चेन के जरिए जमीन में चली जाती है। दयाकर नाम के एक यूजर ने कहा कि जब ईंधन से भरा ट्रक रोड पर चलता है तो वो फ्रिक्शन की वजह से चार्ज हो जाता है। इस वजह से स्पार्क पैदा होता है। इस स्पार्क की वजह से ईंधन में आग लग सकती है। चेन लगी होने से सारी बिजली अर्थ में चली जाती है और चार्ज न्यूट्रल हो जाता है।

मेंटल फ्लॉस, मोटर बिस्किट, और डीएनएन इंडिया वेबसाइट्स की रिपोर्ट के अनुसार कोरा पर लोगों ने जो उत्तर दिए हैं, वो पूरी तरह सही हैं। ट्रकों में इलेक्ट्रोस्टैटिक डिस्चार्ज हो सकता है। जब ट्रक यात्रा करता है तो फ्रिक्शन की वजह से उसमें निगेटिव चार्ज जमा हो जाता है। इसकी वजह से इलेक्ट्रॉन्स जमीन से टायर में ट्रैवल करते हैं।

इस वजह से ट्रक के मेटल बॉडी में पॉजिटिव चार्ज हो जाता है। इस वजह से निगेटिव और पॉजिटिव चार्ज हो जाने की वजह से स्पार्क हो सकता है। इसी स्पार्क को रोकने के लिए चेन लटका दी जाती है। ये चेन पॉजिटिव चार्ज को जमीन में भेज देती हैं, इससे चिंगारी की स्थिति नहीं पैदा होती।

# अंतिम चरण में है सीट बंटवारे पर बातचीत : उद्धव

## बोले- टूटने की स्थिति में नहीं पहुंचेगी डील

» कहा- महाराष्ट्र में अब लोगों ने विपक्षी एमवीए को सत्ता में लाने का फैसला किया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनाव की तारीखों का एलान हो चुका है और राज्य के दोनों बड़े गठबंधन अपनी सहयोगी पार्टियों के साथ सीट-बंटवारे को लेकर गहन चर्चा कर रहे हैं। इस कड़ी में शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्य में महा विकास अघाड़ी गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर बड़ा दावा किया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि एमवीए सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत अंतिम चरण में है, कल या अगले 2 से 3 दिनों में सीट बंटवारे की डील पक्की हो सकती है।

इधर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर गतिरोध के बीच शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को आगाह किया कि सहयोगियों के बीच सौदेबाजी को टूटने की स्थिति तक नहीं पहुंचने दिया जाना चाहिए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है और लोगों ने विपक्षी एमवीए को सत्ता में लाने का फैसला किया है, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आगे कहा कि उन्होंने सीट बंटवारे की बातचीत में शामिल अपने पार्टी नेताओं से यह नहीं सुना है कि सौदा पक्का करने में कोई बड़ी समस्या थी। उद्धव ठाकरे ने जोर देकर कहा कि एमवीए भागीदारों के बीच सीट बंटवारे की बातचीत अंतिम चरण में है और शनिवार या अगले 2 से 3 दिनों में सौदा पक्का हो सकता है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उनके पार्टी सहयोगी संजय राउत की तरफ से सीट बंटवारे पर बातचीत में देरी पर निराशा व्यक्त करने और दावा करने के बाद आई है कि महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं।

### सीट बंटवारे पर राहुल से करेंगे बातः राउत

महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) में सीटों के बंटवारे को लेकर तनातनी बढ़ गई है। शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन में सीट बंटवारे पर बातचीत में देरी को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले पर निशाना साधा। राउत ने आरोप लगाया कि प्रदेश कांग्रेस के नेता फैसले लेने में सक्षम नहीं है, वह राहुल गांधी से बात करेंगे। इस पर पटोले ने भी पलटवार किया कि अगर, संजय राउत अपने नेता उद्धव ठाकरे की नहीं सुनते तो वह उनकी परेशानी है। राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा कि एमवीए के घटक दलों में महाराष्ट्र विधानसभा की कुल 288 सीट में से 200 पर आम सहमति कायम हो गई है। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे पर हमने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और मुकुल वासनिक व महाराष्ट्र के लिए पार्टी प्रभारी रमेश चेन्निथला से शुक्रवार सुबह बात की है। इस मुद्दे पर वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी बात करेंगे। राउत ने कहा कि लंबित फैसला जल्द लिया जाना चाहिए। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं को बार-बार सूची दिल्ली भेजनी पड़ती है और फिर चर्चा होती है।

# जम्मू-कश्मीर कैबिनेट में पूर्ण राज्य के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

» पीएम मोदी से मुलाकात कर उमर अब्दुल्ला करेंगे बहाल करने का आग्रह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किए जाने का प्रस्ताव पारित किया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अब जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर दर्जा बहाल करने का आग्रह कर सकते हैं। उमर सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। हालांकि, इसके बाद सीएम उमर विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। विपक्ष ने उन पर अनुच्छेद 370 पर अपने वादे से मुकरने का आरोप लगाया है। पीडीपी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और इंजीनियर रशीद की अवामी इत्तेहाद पार्टी ने कहा कि उमर भाजपा के एजेंडे को ही जारी रखना चाहते हैं। विपक्ष ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र के वादे की याद दिलाते हुए कहा कि अनुच्छेद 370, 35ए और राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रयास करें।

राज्य का दर्जा बहाली का पहली कैबिनेट में प्रस्ताव पारित करने के बाद उमर विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। पीडीपी, पीसी तथा इंजीनियर रशीद की पार्टी एआईपी ने इस फैसले पर उन्हें घेरते हुए कहा है कि उमर भाजपा के एजेंडे को ही जारी रखना चाहते हैं। नेकां चुनाव में घोषणापत्र में किए वादे से मुकर रही है। कैबिनेट की पहली बैठक में उमर मंत्रिमंडल ने राज्य बहाली का प्रस्ताव पारित किया था। मुख्यमंत्री इस प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री से मिलकर उनसे राज्य का दर्जा बहाली का आग्रह कर सकते हैं।

# गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी के आयोजन नहीं होने चाहिएः स्टालिन

» सीएम ने पीएम को लिखा खत, कहा- प्रत्येक राज्य में स्थानीय भाषा को समान महत्व दिया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे केंद्र सरकार के उन फैसलों पर पुनर्विचार करें, जिनमें गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी आधारित कार्यक्रम आयोजित करने की बात की गई है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे कार्यक्रमों से विभिन्न भाषाई पहचान वाले क्षेत्रों के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में स्टालिन ने भारत की भाषाई विविधता को मान्यता देने और उसे मनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, अगर केंद्र सरकार इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना चाहती है, तो मैं सुझाव दूंगा कि प्रत्येक राज्य में स्थानीय भाषा को समान महत्व दिया जाए। स्टालिन ने यह पत्र चेन्नई दूरदर्शन के स्वर्ण जयंती समारोह को हिंदी माह के समारोहों के साथ मिलाने के फैसले के जवाब में लिखा। स्टालिन ने सुझाव दिया कि केंद्र उन सभी शास्त्रीय भाषाओं का सम्मान करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करे, जिन्हें सरकार ने मान्यता दी है।

# महाराष्ट्र में नहीं बनने देंगे एनडीए सरकारः ओवैसी

» बोले- उत्तर प्रदेश उपचुनाव में हम डॉ. पल्लवी पटेल और अपना दल कमेरावादी के साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि हम महाराष्ट्र में शिंदे और फडणवीस की सरकार नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हमारे पूर्व सांसद इम्तियाज जलील ने नाना पटोले और शरद पवार को पत्र लिखा है। अब उनको सीटों को लेकर फैसला करना है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हमारी पहले से मजबूत राजनीतिक उपस्थिति है।

इसलिए हम चुनाव जरूर लड़ेंगे। महाराष्ट्र के लिए हमने पांच उम्मीदवारों की घोषणा की है। हमारे पास पहले से ही महाराष्ट्र में दो विधायक हैं। हमने चुनाव को लेकर मराठा आरक्षण कार्यकर्ता जारांगे पाटिल से भी बात की। अब उन्हें फैसला करना है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को हरियाणा चुनाव आसानी से जीतना चाहिए था, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके। उन्हें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। वहीं झारखंड को लेकर ओवैसी बोले कि हमारी पार्टी ने आदिल हसन और रियाज उल हसन इफेन्डी को झारखंड भेजा है। वे वहां जाएंगे और देखेंगे कि हमें क्या करना चाहिए और कितनी सीटें लानी चाहिए। हमें चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं। अख्तरुल ईमान देखेंगे कि हमें बिहार उपचुनाव लड़ना चाहिए या नहीं। उत्तर प्रदेश उपचुनाव को लेकर ओवैसी ने कहा कि हम यहां डॉ. पल्लवी पटेल और अपना दल, कमेरावादी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। हम दो सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

### यूपी के सीएम की ठोक दो की नीति संविधान के खिलाफ

वहीं बहराइच मुठभेड़ को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि यह यूपी के सीएम की पिछले कुछ सालों से चली आ रही ठोक दो नीति का उदाहरण है। हम बीजेपी और पीएम मोदी से कई बार कह चुके हैं कि यूपी के सीएम की ठोक दो की नीति संविधान के खिलाफ है। उत्तर प्रदेश को संविधान और कानून के शासन से चलना चाहिए, बंदूक के शासन से नहीं। पुलिस को आरोपी को गिरफ्तार दिखाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। घटनास्थल से 70 किमी दूर किसने हथियार छिपाया? मुठभेड़ का वीडियो ओटीटी की फिल्म जैसा लग रहा था। इंस्पेक्टर को नेटफ्लिक्स में जाना चाहिए। वहां उनको अच्छा भुगतान मिलेगा। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर करने वाली पुलिस को उनके सटीक निशाने के चलते ओलंपिक में भेजा जाना चाहिए।

# पंत-सरफराज की शतकीय पारी से भारत की स्थिति मजबूत

» चौथे दिन लंच तक दूसरी पारी में तीन विकेट पर बनाये 344 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरु। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन का खेल बारिश के कारण रुक गया है। उसके बाद लंच की घोषणा कर दी गयी है। तब तक भारत ने शनिवार को सरफराज खान और ऋषभ पंत की शानदार शतकीय पारी से अपनी स्थिति मजबूत की। सरफराज ने इस दौरान अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ा, जबकि ऋषभ पंत ने भी पचासा लगाया। खेल रुकने तक भारत ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 344 रन बना लिए हैं और वह अभी न्यूजीलैंड से 12 रन पीछे चल रही है।

सरफराज खान 125 रन और पंत 53 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। ऋषभ पंत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरी पारी में अर्धशतक जड़ा दिया है। पंत दूसरे दिन विकेटकीपिंग करते वक्त चोटिल हो गए थे और मैदान से बाहर चले गए थे। उन्होंने वापसी की और पचासा जड़ने में सफल रहे। बता दें सरफराज के साथ चौथे दिन ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए उतरे और दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की। सरफराज और पंत के अब तक चौथे विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी हो चुकी है। सरफराज ने शनिवार को 70 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। पंत ने चौथे दिन बल्लेबाजी के लिए आए और उन्होंने सरफराज का बखूबी साथ निभाया। सरफराज ने जैसे ही अपना पहला शतक पूरा किया, वह गर्मजोशी से पंत के गले लग गए।

### सरफराज ने दूसरी पारी में शतक जड़ बनाया रिकार्ड

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में शुभमन गिल की अनुपस्थिति में सरफराज खान को पहले टेस्ट के लिए एकादश में जगह मिली, लेकिन पहली पारी में उनका बल्ला फ्लॉप रहा और सरफराज तीन गेंद खेलकर खाता खोले बिना आउट हुए थे। दूसरी पारी में उन्होंने वापसी की और अपना दम दिखाया। ऐसा 22वीं बार हुआ है जब कोई भारतीय बल्लेबाज किसी टेस्ट की पहली पारी में खाता खोले बिना आउट होने के बाद दूसरी पारी में शतक लगाने में सफल रहा है। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ हुई सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में गिल ने भी ऐसा किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में शून्य और शतक लगाने वाले सरफराज दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले 2014 में शिखर धवन ऐसा कर चुके हैं। ऑकलैंड में खेले गए टेस्ट में धवन पहली पारी में खाता भी नहीं खोल सके थे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 115 रन बनाए थे।

## कांग्रेसियों ने मंत्री दिनेश सिंह का फूंका पुतला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा कांग्रेसी नेता प्रियंका गांधी पर की गई टिप्पणी के विरोध में शनिवार को युवा कांग्रेस के समर्थकों ने उनके आवास के बाहर पुतला फूंककर प्रदर्शन किया। यहां प्रदर्शनकारियों ने मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पुतला फूंकने आए कांग्रेसी कार्यकर्ता खुद ही आग में झुलस गए। पुतला फूंकने के दौरान उनके कुर्ते में आग लग गई। आग बुझाने पहुंचे एसीपी अरविंद वर्मा भी आग की चपेट में आ गए। हालांकि आग लगने के बाद भी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन नहीं रुका।

फोटो: सुमित कुमार

### जहरीली शराब कांड पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला -

# शराबबंदी सीएम नीतीश के भ्रष्टाचार का छोटा सा नमूना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के सारण और सीवान में जहरीली शराब कांड के बाद सियासत जारी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने फिर से सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। सोशल मीडिया पर उन्होंने शनिवार सुबह को लिखा कि शराबबंदी नीतीश कुमार के संस्थागत भ्रष्टाचार का एक छोटा सा नमूना है।

अगर शराबबंदी हुई है तो इसे पूर्ण रूप से लागू करना सरकार का दायित्व है लेकिन मुख्यमंत्री की वैचारिक व नीतिगत अस्पष्टता, कमजोर इच्छाशक्ति तथा जनप्रतिनिधियों की बजाय चुनिंदा अधिकारियों पर निर्भरता के कारण आज बिहार में शराबबंदी सुपरफ्लॉप है। सत्ताधारी नेताओं-पुलिस और शराब माफिया के नापाक गठजोड़ के कारण बिहार में 30 हजार करोड़ से अधिक अवैध शराब का काला बाजार फल-फूल है।

### शराब की कागजों में दिखायी जा रही है बरामदगी

तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर शराबबंदी के बावजूद बिहार में तीन करोड़ 46 लाख लीटर शराब की कागजों में बरामदगी दिखायी जा रही है। एक ईमानदार वरीय पुलिस अधिकारी के अनुसार इसमें भी घपला है क्योंकि अवैध शराब की तस्करी के लिए पुलिस अधिकारी शराब पकड़ने/पकड़वाने का ढोंग रचते हैं जैसे कि 20 ट्रक शराब के बिहार में घुसाने पर एक टूटा-फूटा ट्रक पकड़वाते है उसमें भी शराब की बजाय कुछ और द्रव्य पदार्थ होता है।

### तेजस्वी यादव ने सीएम से इन सवालों का मांगा जवाब

- अगर प्रतिवर्ष इतनी बड़ी मात्रा में शराब बरामद हो रही तो उसके दोषी कौन?
- सरकारी गुलाबी फ़ाइलों के अनुसार अवैध शराब से मरने वालों की संख्या 300 से अधिक है लेकिन हक़ीक़त इससे विपरीत है, अब तक हजारों लोगों की अवैध शराब के कारण मौत नहीं बल्कि हत्या हुई है। इनका हत्यारा कौन और दोषी कौन? दोषियों पर क्या कारवाई हुई?
- क्या अब तक आज तक किसी बड़े पुलिस अधिकारी/पुलिस अधीक्षक पर कभी कोई कारवाई हुई?
- अगर पटना में शराब मिलती है तो उसका मतलब है ? 5-6 जिला पार कर यहाँ तक शराब पहुँची है, तो फिर यह उन सभी 5-6 जिलों की पुलिस की नाकामी है या नहीं?
- जानकारों के मुताबिक़ शराब माफिया मुख्यमंत्री से रिटायर्ड अधिकारी के मार्फ़त सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षकों के पदस्थापन में खुली बोली के अंतर्गत पोस्टिंग करवाता है अर्थात् किस जिला में कौन अधिकारी जाएगा इसका चयन भी शराब माफिया ही करता है। क्या यह आरोप सही नहीं है?
- क्या यह सही नहीं है कि बिहार में शराबबंदी के बाद से अगस्त 2024 तक मद्यनिषेध विभाग की ओर से निषेध कानूनों के उल्लंघन से संबंधित कुल 8.43 लाख मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें कुल 12.7 लाख लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है।

# पंजाब में जल रही पराली पर सीएम मान ने पीएम मोदी पर कसा तंज

» कहा- यूक्रेन युद्ध रुकवा सकते हैं तो पराली का धुआं क्यों नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में पराली जलाने के मामले बढ़ रहे हैं। अब कुल मामलों की गिनती बढ़कर 1348 हो गई है। शुक्रवार को 59 नए मामले हुए। सरकार के दावों के विपरीत इस सीजन में पराली जलाने के कुल मामलों का आंकड़ा पिछले साल 2023 का रिकॉर्ड तोड़ने के नजदीक है।

पिछले साल 15 सितंबर से लेकर अब तक पराली जलाने के कुल मामले 1407 हो गए थे। हालांकि साल 2022 में इस दौरान पराली जलाने के 2189 मामले हुए थे। आंकड़ों के मुताबिक, आज के ही दिन पंजाब में साल 2022 में पराली जलाने के 342 और साल 2023 में 18 मामले हुए थे।

### पराली जलाने के मामले पर पीएम को बुलानी चाहिए बैठक

पराली जलाने की समस्या पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पराली जलाने की समस्या के लिए केवल पंजाब को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। सीएम मान ने केंद्र सरकार पर चुटकी लेते हुए कहा कि अगर पीएम यूक्रेन का युद्ध रुकवा सकते हैं तो पराली का धुआं क्यों नहीं। सीएम मान ने कहा कि पराली जलाने की समस्या पूरे उत्तर भारत की है। इसके लिए केंद्र सरकार को विशेष तौर पर प्रधानमंत्री को पूरे उत्तर भारत के राज्यों की एक बैठक बुलानी चाहिए और इसका हल निकालना चाहिए। सीएम ने कहा कि पंजाब का किसान धान उगाना ही नहीं चाहता क्योंकि प्रदेश में पहले भू-जल स्तर नीचे चला गया है।

फोटो :4 पीएम

**आगमन** भारतीय खिलाड़ी व ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा पहुंचे राजधानी लखनऊ, नीरज चोपड़ा ने उठाया शर्मा चाय का लुफ्त और अपने प्रशंसकों से मिलाया हाथ।

# नगर निगम में रोड पर जलाया जा रहा कूड़ा

» अधिकारियों का दावा, कूड़ा जलाने की समस्या को जल्द से जल्द किया जाएगा हल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम जोन 2 के कार्यालय के बगल में बने विद्युत विभाग के अंदर ही सफाई कर्मचारी ने झाड़ू लगाते हुए कूड़े को जला दिया गया।यह एक गंभीर समस्या है जो शहर की स्वच्छता और वातावरण के लिए खतरनाक है। यह समस्या न केवल शहर के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि यह वातावरण को भी प्रदूषित करती है। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि कूड़ा जलाने की समस्या को जल्द से जल्द हल किया जाएगा लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कूड़ा जलाने से वातावरण में धुआं और गंध फैलती है जिससे उनका जीवन प्रभावित होता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए नगर निगम को तुरंत कदम उठाने चाहिए और कूड़ा जलाने के बजाय उसका निपटान करने के लिए वैकल्पिक तरीके अपनाने चाहिए।

### क्या कहते हैं जेडएसओ

जोन-2 के बयान जेडएसओ राम सकल यादव का कहना है अगर किसी भी सफाई कर्मचारी ने कूड़े में आग लगाई है तो इसपर कार्रवाई करेंगे साथ ही वो कौन कर्मचारी है इसकी जानकारी अभी मुझे नहीं है में पता करके कार्रवाई करता हूं। बाकी कूड़ा देर से उठने को लेकर भी जेडएसओ ने बताया अगर स्कूल के पास कूड़ा रोड पर पड़ा हुआ है तो उसको भी हम जल्दी उठवा लेंगे किसी भी कारण अगर देर होती है तो आगे से इसको ध्यान में रखकर जल्दी कूड़ा उठा लिया जाएगा।

### नुकीली सरिया व खुला नाला दे रहा हादसे को दावत

लखनऊ सिटी स्टेशन के पास बड़ा छत्ता में रोड पर नाली खुली होने और पत्थर पर नुकीली सरिया निकली होने से जनता की सुरक्षा खतरे में है। यह जगह बहुत ही व्यस्त है और यहां पर हर समय लोग आते जाते रहते है। नाली खुली होने से गड्ढे हो गए है और पत्थर पर नुकीली सरिया निकली होने से कभी भी कोई हादसा हो सकता है। इससे न केवल वाहन चालकों को खतरा है बल्कि पैदल यात्रियों को भी खतरा है स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर निगम को इस समस्या के बारे में बताया गया है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है इस समस्या का समाधान करने के लिए नगर निगम को तुरंत कदम उठाने चाहिए और नाली को ढक्कर पत्थर पर नुकीली सरिया को हटाना चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।